



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 135]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 21, 2013/ज्येष्ठ, 31, 1935

No. 135]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 21, 2013/JYAISTHA 31, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जून, 2013

विषय : रूस मूल के अथवा वहां से निर्यातित "पेण्टाइराइड्रिटाल" के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच की (एस एस आर) शुरूआत ।

सं. फा. 14/26/2013-डीजीएडी.—यतः, वर्ष 1995 तथा उसके पश्चात यथासंशोधित सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1975 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसार मैसर्स कानोडिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जिसे एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष, रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेण्टाइराइड्रिटाल (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए संबद्ध देश के मूल अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पर पाटनरोधी जांच की शुरूआत करने और पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण करने के लिए एक आवेदनपत्र दायर किया है।

2. और यतः, प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, और घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथमदृष्टया पर्याप्त साक्ष्य उपपादित करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 में दी गई शर्तों के अनुसार कथित पाटन तथा उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की जांच करने तथा कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने जिसका यदि उद्ग्रहण किया गया तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए जांच प्रारंभ करते हैं।

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पेंटाइराइथ्रिटाल है। पेंटाइराइथ्रिटाल एक कार्बनिक यौगिक है। वाक्यांश "इराइथ्रिटाल" चार हाइड्रोक्सिल ग्रुप की उपस्थिति दर्शाता है और उपसर्ग "पेंटा" इंगित करता है कि इस अणु में पांच कार्बन एटम हैं। आवेदक द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार पेंटाइराइथ्रिटाल का उत्पादन इलेक्ट्रोडायलासिस प्रथक्करण तकनीक अथवा फ्रैक्शनल क्रिस्टलाइजेशन तकनीक का प्रयोग करके किया जा सकता है। दोनों प्रौद्योगिकियों के जरिए उत्पादित उत्पाद के गुणधर्मों में कोई अंतर नहीं होता है। पेंटाइराइथ्रिटाल का उत्पादन तकनीकी ग्रेड अथवा नाइट्रेशन ग्रेड का हो सकता है। दोनों ग्रेडों में प्रमुख अंतर शुद्धता, क्रिस्टल आकार तथा क्रिस्टलों की एकरूपता का होता है। दोनों ग्रेडों का उत्पादन एक ही प्रक्रिया द्वारा किया जाता है। 98 प्रतिशत से अधिक की शुद्धता वाले और बेहतर क्रिस्टल बनावट वाले पेंटाइराइथ्रिटाल का प्रयोग विस्फोटक उद्योगों में किया जा सकता है और इस कारण इसे वाणिज्यिक बोलचाल में "नाइट्रेशन ग्रेड" के रूप में अभिहित किया जाता है। तथापि, "नाइट्रेशन ग्रेड" के रूप में माने गए पेंटाइराइथ्रिटाल का प्रयोग अल्काइड रेजिन तथा अन्य उत्पादों (जहां अन्य ग्रेड "टेक्निकल ग्रेड" के पेंटाइराइथ्रिटाल का प्रयोग किया जाता है) का उत्पादन करने के लिए किया जा सकता है। तथापि, उत्पादन प्रक्रिया का अधिकांशतः परिणाम "टेक्निकल ग्रेड" के उत्पादन में होता है। नाइट्रेशन ग्रेड में 2 प्रतिशत से कम का उत्पादन किया जाता है जबकि डाइ-पेंटाइराइथ्रिटाल का उत्पादन 0.5 प्रतिशत से कम है। 97 प्रतिशत से अधिक का उत्पादन तकनीकी ग्रेड का होता है। इसके अतिरिक्त, आयात, प्राथमिकतः, तकनीकी ग्रेड के होते हैं। डाइ-पेंटाइराइथ्रिटाल तथा पेंटाइराइथ्रिटाल दो अलग-अलग प्रकार के उत्पादन हैं। डाइ-पेंटाइराइथ्रिटाल विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है।

4. पेंटाइराइथ्रिटाल का अधिकांश प्रयोग अल्काइड रेजिन, रेजिन ईस्टर्स, प्लास्टीसाइजर्स, मुद्रण स्याही, सिंथेटिक रबर, प्लास्टिकों के लिए स्टैबिलाइजर्स, आशोधित ड्राइंग आयल्स, डिटोनेटर्स, विस्फोटकों, फार्मास्युटिकल्स तथा कोर आयल्स एवं सिंथेटिक लुब्रीकेण्ट्स का विनिर्माण करने के लिए होता है। पेंटाइराइथ्रिटाल को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क कोड संख्या 29054200 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतक है और वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग की स्थिति

5. यह आवेदनपत्र मैसर्स कानोडिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो भारत में संबद्ध वस्तु के प्रमुख उत्पादक हैं, द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने दावा किया है कि देश में संबद्ध

वस्तु के मैसर्स एशियन पेंट्स (इंडिया) लिमिटेड (एपीएल) तथा मैसर्स पर्सट्राप कैमिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पी सी आई एल) नामक दो अन्य उत्पादक भी हैं। यद्यपि ऐसा दावा किया जाता है कि एपीएल प्राथमिकतः संबद्ध वस्तु का उत्पादन ग्राही खपत प्रयोजन के लिए कर रहा है, वहीं ऐसा दावा है कि पीसीआईएल ने संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में आयात करना प्रारंभ कर दिया है और इसने जांच की अवधि के दौरान इसका उत्पादन करना बंद कर दिया था। उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक कंपनी का भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है। अतः, प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक उद्योग नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनता है और यह आवेदनपत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 और उसके अंतर्गत बने नियमों के अनुसार आधार की प्रक्रिया को पूरा करती है।

समान वस्तु

6. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु, जिसका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान है। संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु के बीच तकनीकी विनिर्देशन, गुणवत्ता, कार्यो एवं अंतिम प्रयोगों में कोई अंतर नहीं है। दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए उन्हें पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत "समान वस्तु" के रूप में माना जाना चाहिए। इसलिए, वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, भारतीय उद्योगों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु को वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए "समान वस्तु" के रूप में माना जा रहा है।

शामिल देश

7. वर्तमान जांच में अंतर्गस्त देश रूस है।

सामान्य मूल्य

8. आवेदक ने दावा किया है कि उसने रूस की घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की वास्तविक बिक्री कीमत, कीमत के प्रकाशित स्रोतों से साक्ष्य सहित के साक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास किया। तथापि, आवेदक ने दावा किया है कि वह ऐसी कोई सूचना प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुए। इसको देखते हुए, आवेदक ने सामान्य मूल्य का दावा उत्पादन लागत के आकलनों, जिन्हें बिक्री में शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित किया गया, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा तर्क संगत तथ्यों के आधार पर किया है।

निर्यात कीमत

9. आवेदक ने निर्यात कीमत का दावा इंटरनेशनल बिजनेस इन्फार्मेशन सर्विसेस (आई बी आई एस) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर किया है। जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के लिए उसी स्रोत से प्राप्त आंकड़ों पर विचार किया गया है। निवल कारखाना -बाह्य निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए समुद्री भाड़ा, सामुदिक बीमा, कमीशन, पतन व्यय और बैंक प्रभारों के आधार पर कीमत समायोजन की अनुमति दी गई है।

पाटन मार्जिन

10. आवेदक ने इस उत्पाद के पाटन मार्जिन का निर्धारण सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर किया है। यह उपपादित किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का संबद्ध देश में सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत बहुत अधिक है, इससे, प्रथमदृष्टया, यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है, जो पाटनरोधी जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराता है। पाटन मार्जिन का अनुमान न्यूनतम से अधिक पर किया गया है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

11. आवेदक ने पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा, कीमत अधोरदन कीमत निग्रहण और लाभप्रदायकता लगाई गई पूंजी पर आमद, और घरेलू उद्योग के लिए नकदी प्रवाह में गिरावट के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप हो रही "क्षति" के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा कारित "क्षति" को आवेदक द्वारा सहन किए जाने के पर्याप्त साक्ष्य है जो पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने की न्यायोचित ठहराते हैं।

जांच की अवधि

12. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) पर 1 जनवरी, 2012 से 31 दिसम्बर, 2012 (12 माह) तक माना है। तथापि, क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2009 - मार्च, 2010, अप्रैल 2010 - मार्च, 2011, अप्रैल, 2011-मार्च, 2012 तथा जांच की अवधि को शामिल किया जाएगा।

सूचना प्रस्तुत करना

13. संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों की सरकारों को भारत स्थित उनके राजदूतावासों के जरिए, भारत में संबद्ध उत्पाद से संबंधित ज्ञात आयातकों और उनके प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित स्वरूप और ढंग से संगत जानकारी प्रस्तुत करने और अपने विचारों से प्राधिकारी को अधोलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से संबोधित किया जा रहा है :

निर्दिष्ट प्राधिकारी
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
कमरा सं. 240, उद्योग भवन,
नई दिल्ली-110011

कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर इस जांच से संगत प्रस्तुतिकरण कर सकता है।

समय-सीमा

14. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई भी सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों (चालीस दिनों) से अनधिक समय के भीतर पहुंच जानी चाहिए। तथापि, उन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों, जिन्हें अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं, से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उनके भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के अंदर अपनी सूचना प्रस्तुत करेंगे। यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं। यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय-सीमा को बनाए जाने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

15. प्रश्नावली के उत्तर/निवेदन के किसी भाग के लिए गोपनीयता का दावा किए जाने के मामले में इसे दो अलग-अलग भागों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए : (क) गोपनीय के रूप में

2777 9713-2

चिन्हित (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि) और (ख) दूसरा भाग अगोपनीय के रूप में चिन्हित (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि)। उपलब्ध कराई गई समस्त सूचना में प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" अथवा "अगोपनीय" लिखा जाना चाहिए।

16. किसी भी तरह के चिन्ह के बिना उपलब्ध कराई गई सूचना अगोपनीय समझी जाएगी और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी किसी भी अगोपनीय सूचना के निरीक्षण की अनुमति प्रदान करने हेतु स्वतंत्र होंगे। गोपनीय पाठ की दो-दो (2) प्रतियां प्रस्तुत की जानी चाहिए।

17. गोपनीयता का दावा करने वाली सूचना के लिए, सूचना प्रदाता को प्रस्तुत सूचना के साथ इस बात का ठोस कारण बताते हुए विवरण प्रस्तुत करना होगा कि वह सूचना प्रकट क्यों नहीं की जा सकती और/ अथवा उस सूचना का सारांश बनाना क्यों संभव नहीं है।

18. अगोपनीय सूचना, गोपनीय सूचना की प्रतिकृति होना अपेक्षित है जिसके साथ गोपनीय सूचना को, उस सूचना के आधार पर जिस पर गोपनीयता का दावा किया गया है, सूचीबद्ध किया जाए/संक्षेप में बताया जाए। अगोपनीय सारांश गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के विषय का एक युक्तिसंगत विवरण होना चाहिए जिससे उस विषय को समझा जा सके। फिर भी, विशेष परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाली पार्टी दर्शा सकती है कि ऐसी सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है और कारणों का एक ब्यौरा कि क्यों संक्षेपण संभव नहीं है, निर्दिष्ट प्राधिकारी की संतुष्टि हेतु मुहैया कराना चाहिए।

19. प्रस्तुत की गई सूचना की प्रकृति की जांच के उपरांत प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता हेतु अनुरोध आवश्यक नहीं है अथवा सूचना का आपूर्तिकर्ता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य अथवा सारांश रूप से इसके प्रकटीकरण को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं।

20. सार्थक अगोपनीय पाठ के बिना अथवा गोपनीयता के दावे के संबंध में दिए गए कारण के ब्यौरे के बिना प्रस्तुत की गई सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी रिकार्ड में नहीं लेंगे। प्राधिकारी, प्रदत्त सूचना से संतुष्ट होने और गोपनीयता की आवश्यकता को स्वीकार कर लेने पर, ऐसी सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकार द्वारा विशिष्ट रूप से प्राधिकृत किए बिना, किसी भी पक्षकार के समक्ष इसे प्रकट नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

21. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

असहयोग

22. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केंद्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 21st June, 2013

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Pentaerythritol originating in or exported from Russia.

No. F. 14/26/2012-DGAD.—WHEREAS M/s. Kanoria Chemicals & Industries Ltd. (hereinafter referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of Pentaerythritol (hereinafter referred to as the subject goods), originating in or exported from Russia (hereinafter referred to as the subject country), for initiation of anti-dumping investigation and for levy of anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

2. AND WHEREAS, the Authority finds sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country and injury to the domestic industry and causal link between dumping and injury and hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry, in terms of Rule 5 of the Anti-dumping Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product under consideration in the present investigation is Pentaerythritol. Pentaerythritol is an organic compound. The term "erythritol" indicates the presence of four hydroxyl groups, and the prefix "penta" indicates that there are five carbon atoms in the molecule. As stated by the applicant, Pentaerythritol can be produced using electrodialysis separation technology or fractional crystallization technology. There is no difference in the product properties produced through the two technologies.

Pentaerythritol produced can be of technical grade or nitration grade. The principal difference in the two grades is in purity, crystal size and uniformity of crystals. Both the grades are produced out of the same process. Pentaerythritol having purity above 98% and better crystal formation can be used in the explosive industry and therefore, this grade has been designated as "Nitration Grade" in commercial parlance. However, Pentaerythritol considered as "Nitration Grade" can be used for production of Alkyd Resins and other products (where the other grade "Technical Grade" Pentaerythritol is used). Production process, however, largely results in production of "Technical Grade". Less than 2% production results in nitration grade whereas the production of Di-Pentaerythritol is less than 0.5%. More than 97% production is of technical grade. Further, imports are primarily in technical grade. Di-Pentaerythritol and Pentaerythritol are two different kinds of products. Di-Pentaerythritol is beyond the scope of the product under consideration.

4. Pentaerythritol is mostly used in the manufacture of Alkyd Resins, Resin Esters, Plasticizers, Printing inks, Synthetic rubber, Stabilizers for plastics, Modified drying oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, and Core oils and Synthetic lubricants, etc. Pentaerythritol is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under the Customs Code 29054200. However, Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the investigations.

DOMESTIC INDUSTRY STANDING

5. The application has been filed by M/s. Kanoria Chemicals & Industries Ltd, the major producer of the subject goods in India. The applicant has claimed that there are two more producers of the subject goods in the country namely M/s Asian Paints (India) Ltd (APL) and M/s Perstrop Chemicals India Pvt Ltd (PCIL). While APL is claimed to be primarily engaged in producing the subject goods for captive consumption purposes, PCIL is claimed to have switched over to importing subject goods in significant volumes and closed the production during POI. On the basis of information available, Authority notes that the applicant company constitutes a major proportion in Indian production. The Authority, therefore, determines that the applicant industry constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2(b) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the anti-dumping Rules supra.

LIKE ARTICLE

6. The applicant has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Anti-dumping Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the Indian industries are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country for the purpose of the present investigation.

COUNTRY INVOLVED

7. The country involved in the present investigation is Russia.

NORMAL VALUE

8. The applicant has claimed that it has made efforts to get evidence of the actual selling price of the product concerned in the domestic market of Russia, including evidence of the price from published sources. The applicant has claimed, however, that it has not been able to procure any such information. In view of this, the applicant has claimed normal value on the basis of estimates of cost of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and reasonable.

EXPORT PRICE

9. The applicant has claimed export prices on the basis of data obtained from International Business Information Services (IBIS). The data from the same source has been taken into consideration for the injury period including the POI. Price adjustments have been allowed on account of ocean freight, marine insurance, commission, port expenses and bank charges to arrive at the net ex-factory export price.

DUMPING MARGIN

10. Based on the normal value and export price, the applicant has determined dumping margin for the product. It is found that the normal value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export prices, prima-facie, indicating that the subject goods originating in or exported from the subject country are being dumped, to justify initiation of an antidumping investigation. The dumping margins are estimated to be above *de minimis*.

INJURY AND CAUSAL LINK

11. The applicant has furnished evidence regarding the 'injury' having taken place as a result of the alleged dumping in the form of increased volume of dumped imports, price undercutting, price suppression and decline in profitability, return on capital employed and cash flow for the domestic industry. There is sufficient evidence of the 'injury' being suffered by the applicant caused by dumped imports from subject countries to justify initiation of an anti-dumping investigation.

PERIOD OF INVESTIGATION

12. The Authority has considered the period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1st January 2012 to 31st December 2012 (12 months). The

2777 9713-3

injury investigation period will however cover the periods April 2009-March 2010, April 2010-March 2011, April 2011-March 2012 and the POI.

SUBMISSION OF INFORMATION

13. The exporters in the subject country, Government through the Embassy, importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

**The Designated Authority
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties (DGAD)
Room No. 240, Udyog Bhavan,
New Delhi-110011**

Any other interested party may also make its submissions, relevant to the investigation, within the time limit set out below.

TIME LIMIT

14. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than 40 (forty) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. If no information is received within the prescribed time limit or the submitted information is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

SUBMISSION OF INFORMATION ON NON-CONFIDENTIAL BASIS

15. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire's response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.

16. Information supplied without any mark shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies each of the confidential version and the non-confidential version must be submitted.

17. For information claimed as confidential, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such

information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

18. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out / summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible of summary; a statement of reasons why summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Authority.

19. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

20. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such confidential information.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

21. In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by the interested parties.

NON-COOPERATION

22. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may treat such interested parties as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. S. DEEPAK, Designated Authority